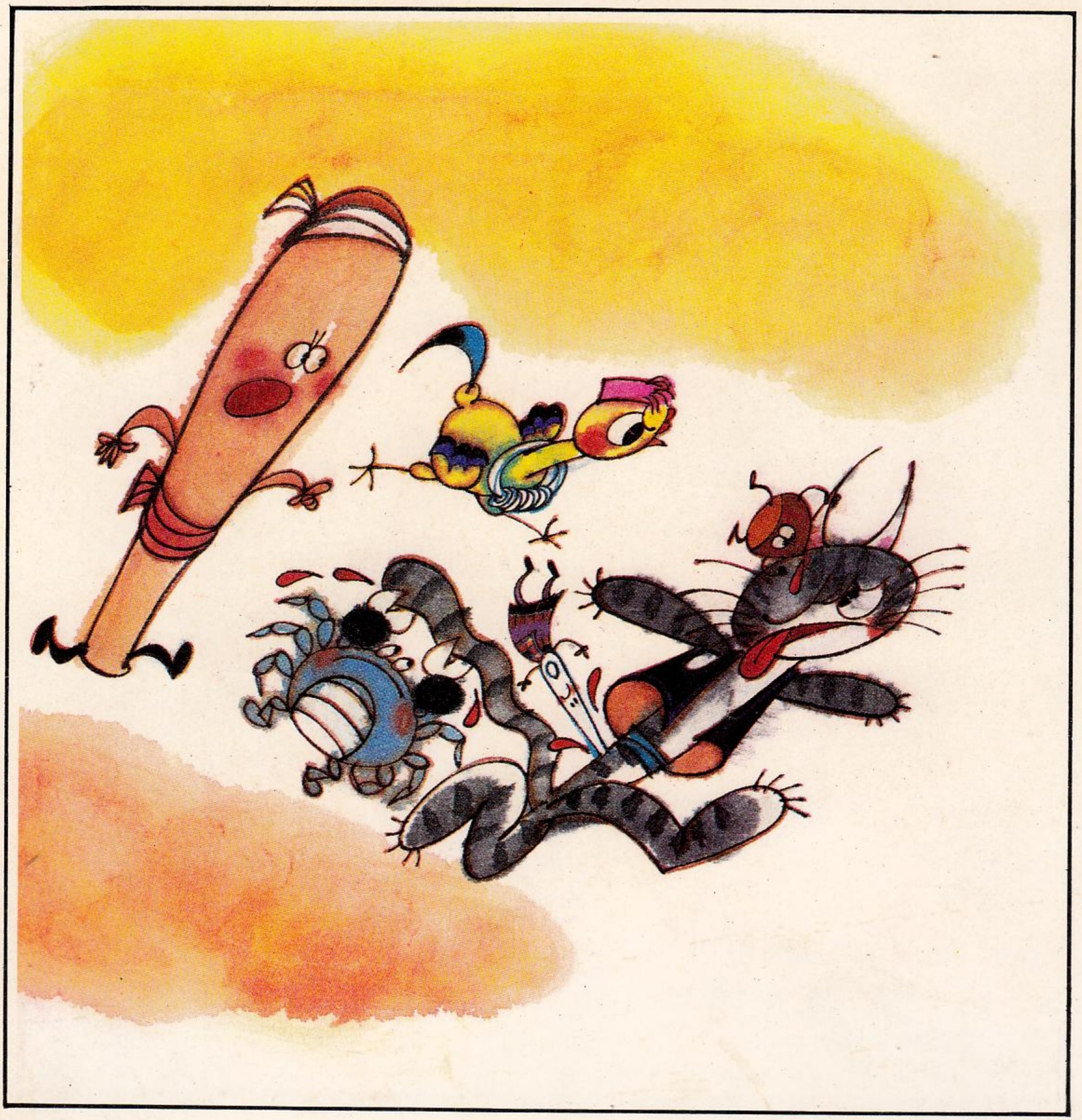

चूजे द्वारा बदला लेना

प्रथम संस्करण १९८४

प्रकाशक : **विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह**
२४ पाएवानच्वाङ मार्ग, पेइचिङ

मुद्रक : **विदेशी भाषा मुद्रणालय**
१९ पश्चिमी छकुङच्वाङ मार्ग, पेइचिङ

वितरक : **चीनी प्रकाशन विक्रयकेन्द्र (क्वोची शूत्येन)**
पो. आ. बाक्स ३९९, पेइचिङ

चीन लोक गणराज्य में मुद्रित

चूजे द्वारा बदला लेना

रूपान्तरकार और चित्रकार : **चाङ थुङ**

म्याओ जाति की बालकथा

एक दिन एक चूजा अपनी मां के साथ घूमने जा रहा था। रास्ते में एक जंगली बिल्ली उसकी मां को खा गई।

बेचारा चूजा अकेला रह गया। आगे जाने पर उसे एक सूई मिली। चूजे ने सूई से कहा : "जंगली बिल्ली मेरी मां को मारकर खा गई। मैं उस दुष्ट से बदला लेने जा रहा हूं।" सूई ने कहा : "ठीक है, मैं भी तुम्हारे साथ चलती हूं।"

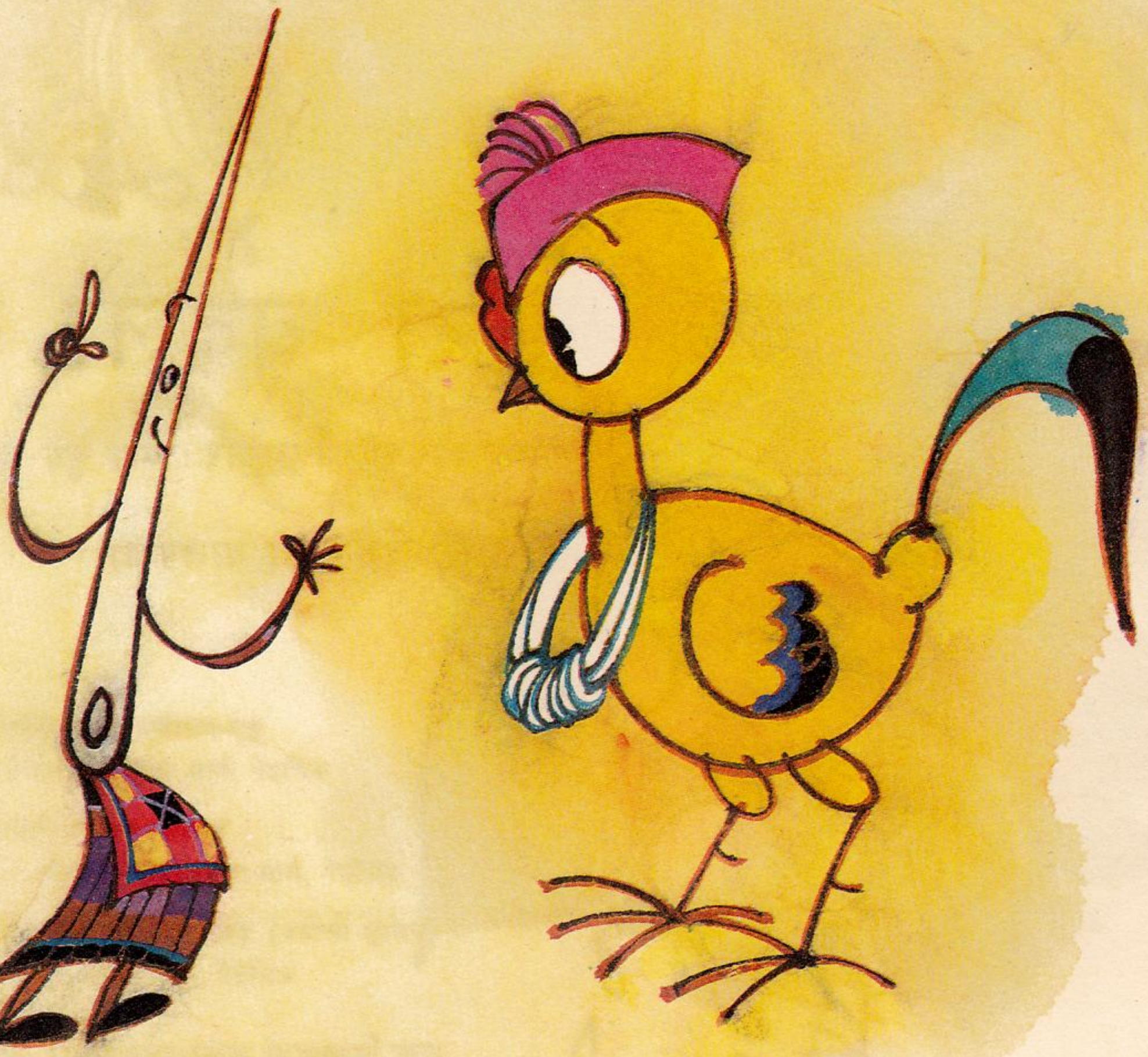

कुछ दूर जाने पर उन्हें एक चेस्टनट मिला। वह बोला :
"मुझे भी अपने साथ ले चलो।" चूजे ने कहा : "अच्छा,
तुम भी हमारे साथ चलो।"

और आगे जाने पर उन्हें एक केकड़ा मिला। केकड़े ने कहा : "मैं बड़े काम का जीव हूं। तुम्हारे साथ चलकर तुम्हारी बड़ी मदद करूंगा।" चूजे ने कहा : "अच्छा, तो तुम भी चलो।"

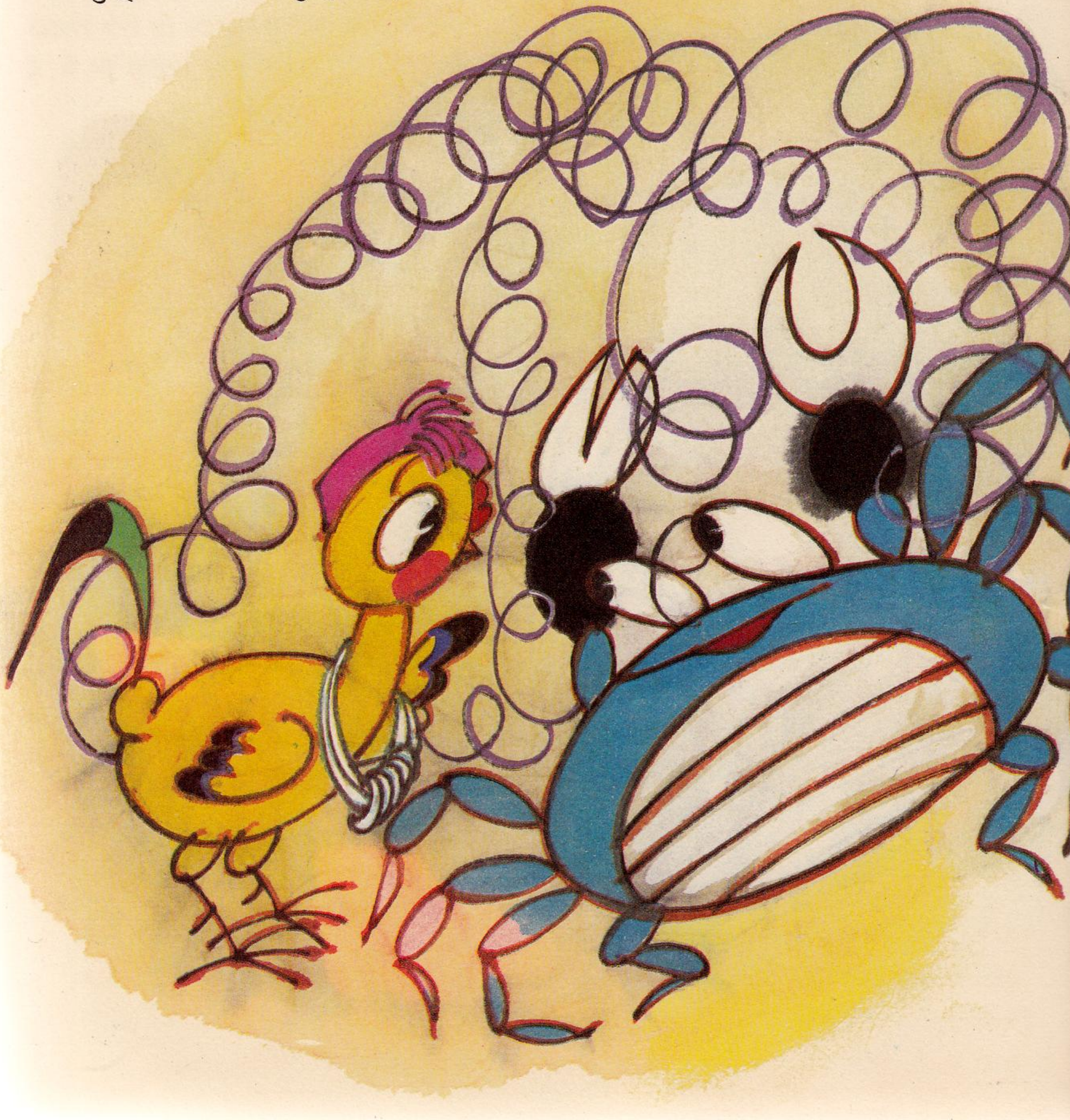

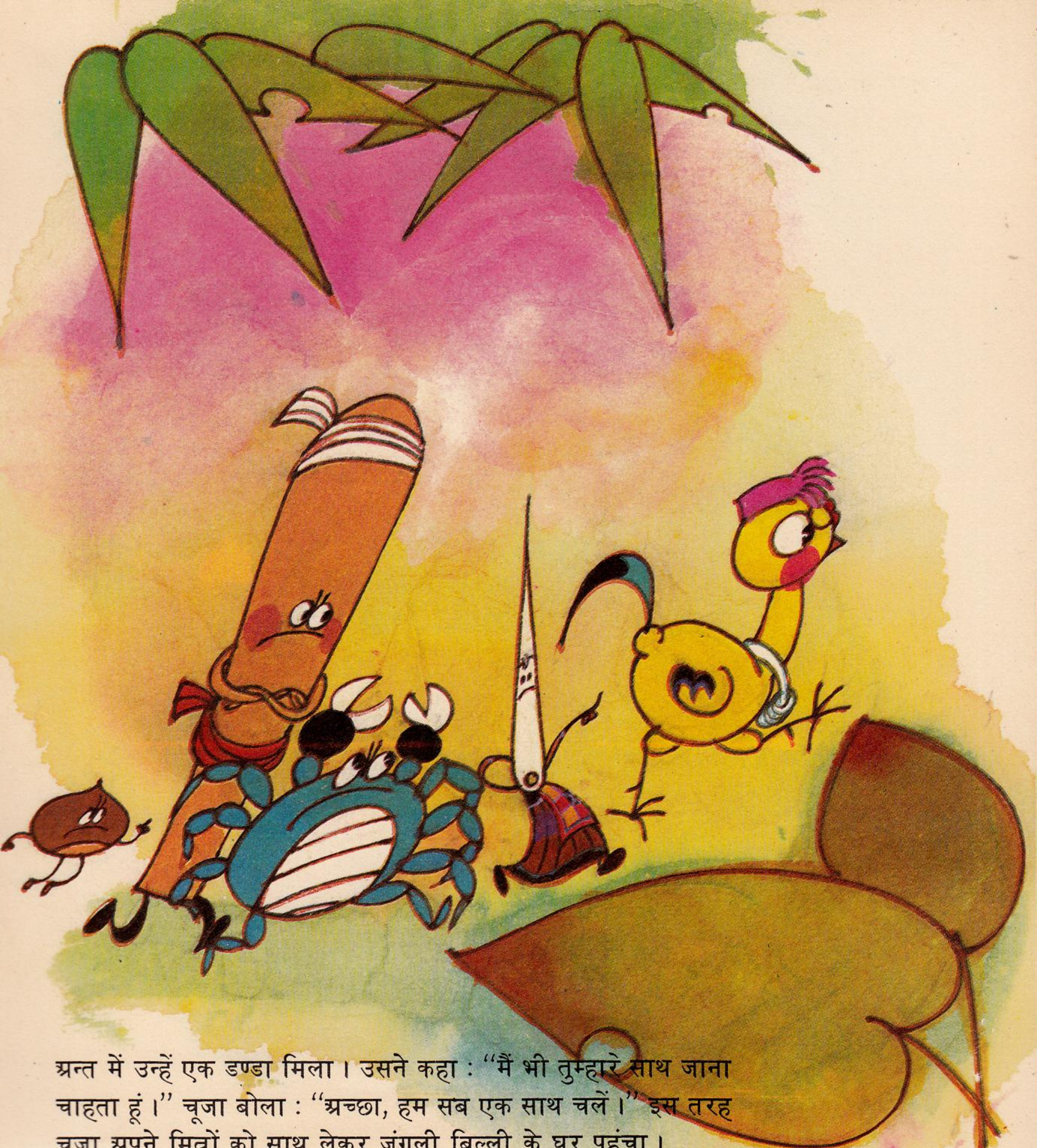

अन्त में उन्हें एक डण्डा मिला। उसने कहा : "मैं भी तुम्हारे साथ जाना चाहता हूं।" चूजा बोला : "अच्छा, हम सब एक साथ चलें।" इस तरह चूजा अपने मित्रों को साथ लेकर जंगली बिल्ली के घर पहुंचा।

"दरवाजा खोलो !" सबसे पहले सूई ने दरवाजा खटखटाया ।

"आधी रात को कौन दरवाजा खटखटा रहा है ?" बिल्ली की नींद खुल गई और उसने लेटे-लेटे पूछा। "मैं चलते-चलते थक गई हूं। आपसे एक चौकी लेकर थोड़ी देर सुस्ताना चाहती हूं।" सूई ने उत्तर दिया। "दरवाजे की दरार से अन्दर चली आओ।" बिल्ली ने कहा।

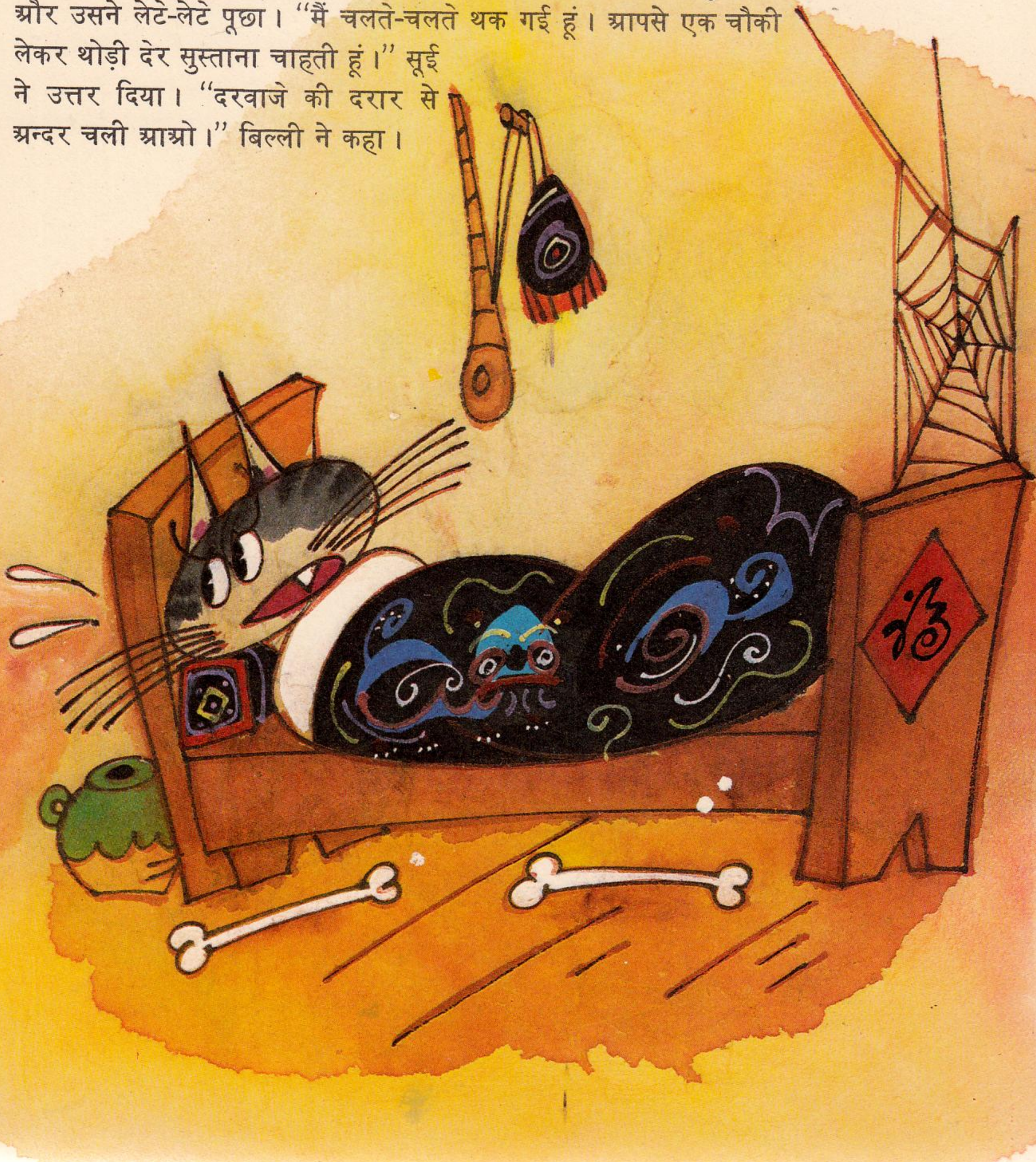

दूसरी बार चेस्टनट ने दरवाजा खट-खटाया : "दरवाजा खोलो ! दरवाजा खोलो !"

"कौन है ? सोने नहीं दोगे क्या ?" जंगली बिल्ली गुस्से से बोली। "बाहर बड़ी सर्दी है, मुझे आग तापने अन्दर आ जाने दो !" चेस्टनट ने कहा।

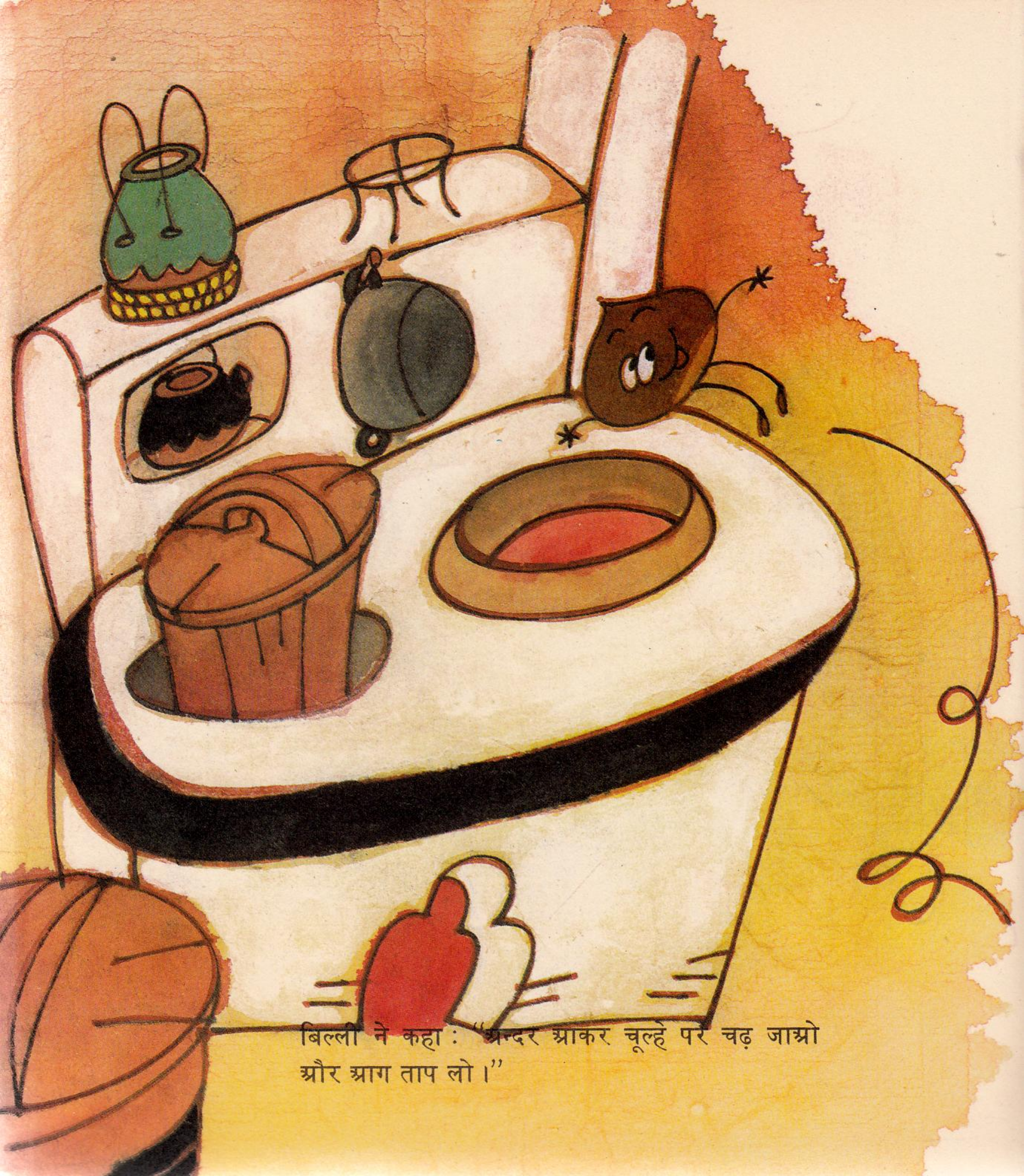

बिल्ली ने कहा : "अन्दर आकर चूल्हे पर चढ़ जाओ
और आग ताप लो।"

अब केकड़े ने दरवाजे पर दस्तक दी और कहा :
"मुझे बड़ी प्यास लगी है। अन्दर आकर थोड़ा पानी
पी लेने दो।"

बिल्ली ने उसे भीतर बुलाकर कहा: "घड़े से पानी लेकर पी लो।"

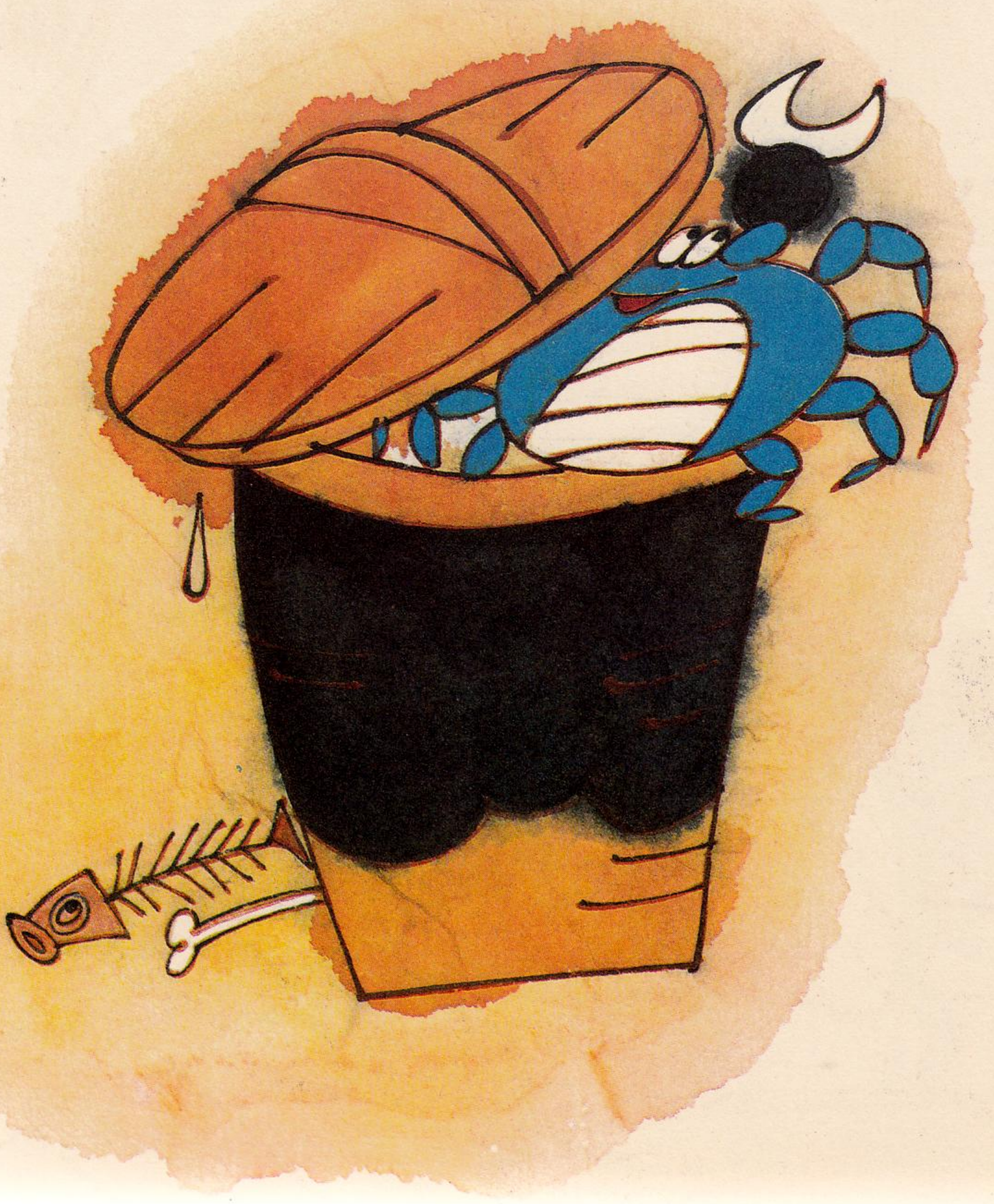

सबसे बाद में चूजे ने दरवाजा खटखटाया : "बिल्ली मौसी, दरवाजा खोलो !" "कौन है ?" जंगली बिल्ली जोर से चीखी। "मैं हूं चूजा, खास तौर पर आपसे मिलने आया हूं।"

"वाह, मैं कितनी खुश-किस्मत हूं ! मेरा भोजन खुद ही मेरे पास चला आया।" बिल्ली ने मन ही मन कहा और जल्दी से दरवाजा खोल दिया।

"नन्हे चूजे, बड़ी ठंड है। जरा इन्तजार करो, मैं तुम्हारे तापने के लिये आग सुलगाती हूं।" यह कहकर जंगली बिल्ली जल्दी-जल्दी चूल्हा फूंकने लगी।

अचानक एक धमाका हुआ और उसके साथ ही चूल्हे के अन्दर का चेस्टनट उछलकर बिल्ली की एक आंख में जा लगा। बिल्ली की आंख जल गई।

ज्यों ही बिल्ली ने आंखे धोने को पानी निकालने के लिए घड़े में हाथ डाला, नन्हे केकड़े ने अपने संडासी जैसे पंजों से उसे जकड़ लिया।

बिल्ली दर्द से चीख उठी और जैसे-तैसे अपना हाथ छुड़ा-कर इधर-उधर भागने लगी। अन्त में वह थककर एक चौकी पर बैठी ही थी कि सूई उसके कूल्हे में पूरी की पूरी घुस गई।

जंगली बिल्ली तड़पकर दरवाजे की ओर भागने लगी। तभी दरवाजे की आड़ में छिपा डण्डा उछलकर उस पर पिल पड़ा। जंगली बिल्ली किसी तरह अपनी जान बचाकर चीखती-चिल्लाती वहां से भाग खड़ी हुई।

उस दिन से चूजा, सूई, चेस्टनट, केकड़ा और
डण्डा आपस में अच्छे दोस्त बन गए।

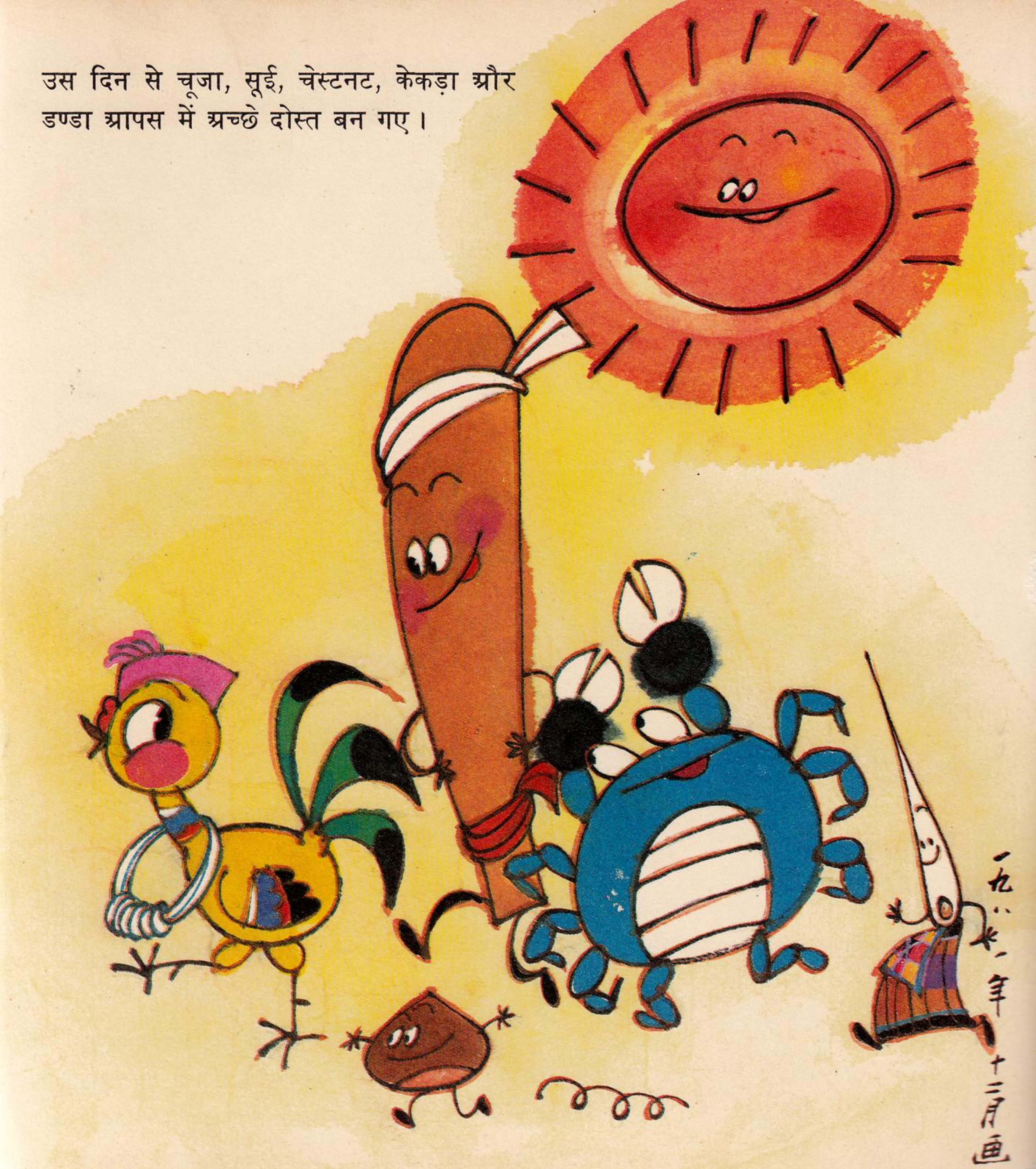

一九八二年十二月画

चीन की बालनीति कथाएं

中国童话
小 鸡 报 仇
詹 同 编绘
*
外文出版社出版
（中国北京百万庄路24号）
外文印刷厂印刷
中国国际书店发行
（北京399信箱）
1984年（20开）第一版
编号：（印地）8050—2354
00060
88—H—246P

Rs 3 P 0 0